थर्डमिल संस्थान

व्यक्तिगत भक्तिपूर्ण समय बैज

तेरे वचन मुझ को कैसे मीठे लगते हैं, वे मेरे मुँह में मधु से भी मीठे हैं!

भजन 119:103

जवान अपनी चाल को किस उपाय से शुद्ध रखे? तेरे वचन के अनुसार सावधान रहने से। मैं पूरे मन से तेरी खोज में लगा हूँ; मुझे तेरी आज्ञाओं की बाट से भटकने न दे! मैं ने तेरे वचन को अपने हृदय में रख छोड़ा है, कि तेरे विरुद्ध पाप न करूँ। हे यहोवा, तू धन्य है; मुझे अपनी विधियाँ सिखा! तेरे सब कहे हुए नियमों का वर्णन, मैं ने अपने मुँह से किया है। मैं तेरी चितौनियों के मार्ग से, मानो सब प्रकार के धन से हर्षित हुआ हूँ। मैं तेरे उपदेशों पर ध्यान करूँगा, और तेरे मार्गों की ओर दृष्टि रखूँगा। मैं तेरी विधियों से सुख पाऊँगा;
और तेरे वचन को न भूलूँगा।

भजन 119:9-16

*भोर को हमें **अपनी करुणा** से तृप्त कर, कि हम जीवन भर जयजयकार और आनन्द करते रहें।*

भजन 90:14

पवित्रशास्त्र के कई विद्यार्थी इस परीक्षा में पड़ सकते हैं कि वे अपने स्वर्गीय पिता को जानने की अपेक्षा परमेश्वर के बारे में अधिक जानने के लिए पवित्रशास्त्र का अध्ययन करते हैं। सभी मसीहियों को, चाहे आप कलीसिया के अगुवे हों या सदस्य, परमेश्वर के वचन के द्वारा व्यक्तिगत और घनिष्ठ रूप से उससे भेंट करने की आवश्यकता है। इस रीति से हम अपने हृदय को पिता के हृदय से जोड़ सकते हैं और हमारे प्रति उसकी करुणा को जान सकते हैं। यह बैज आपको एक भक्तिमय समय को बिताने में सहायता करेगा जो आपके स्वर्गीय पिता के साथ आपके संबंध को बढ़ाएगा। अपने पिता की वाणी और हृदय को खोजें और सीखें कि आप कैसे दूसरों को भी उसके हृदय तक ले जा सकते हैं।

बैज घटक [1]:

प्रार्थना के द्वारा समर्पण—हम कैसे अपनी गति कम करके और परमेश्वर के हृदय के प्रति समर्पित हो सकते हैं?

---

[1] इस बैज और सभी चर्चा विषयों की मूल रूपरेखा *सीबीआर जर्नल* से ली गई है। (टेड सिन, www.thecbrjournal.com. 2005).

पवित्रशास्त्र की बातों को सुनिए—परमेश्वर की वाणी को सुनिए और देखिए कि वह हृदय पर क्या छाप छोड़ता है।

अपनी कलम के द्वारा प्रार्थना करें—यह मुझे किस प्रकार परमेश्वर की आराधना करने, पाप को अंगीकार करने, यीशु के प्रति आभार प्रकट करने, तथा व्यक्तिगत विकास के लिए प्रार्थना करने के लिए प्रेरित करता है?

समुदाय के साथ साझा करें—परमेश्वर ने अपने हृदय के बारे में जो कुछ हमें बताया है, उसे हम दूसरों के साथ कैसे बाँट सकते हैं ताकि हम दूसरों को परमेश्वर की करुणा में आमंत्रित कर सकें?

चर्चा के विषय :

1. अपने भक्तिपूर्ण समय के साथ आपका अनुभव कैसा रहा है? यह कितनी बार आपको एक काम या बोझ जैसा लगता है? आपका भक्तिपूर्ण समय कैसा चल रहा है?
2. परमेश्वर के साथ एक व्यक्तिगत संबंध होना क्यों आवश्यक है? परमेश्वर के बारे में केवल जान लेना पर्याप्त क्यों नहीं है?
3. जब हम अपना व्यक्तिगत भक्तिमय समय शुरू करते हैं तो प्रार्थना के साथ शुरू करना क्यों महत्वपूर्ण है? प्रार्थना हमें परमेश्वर और उसके मार्गों के प्रति समर्पित होने में कैसे सहायता कर सकती है? समझ के लिए प्रार्थना करना क्यों ज़रूरी है? क्या आपको प्रार्थना करनी चाहिए कि परमेश्वर का वचन हमें परिवर्तित कर दे? शुरू करते समय जब हम परमेश्वर को बताते हैं कि हम कैसा महसूस कर रहे हैं, तो इससे परमेश्वर के प्रति हमारे दृष्टिकोण में क्या परिवर्तन आता है?
4. आपके लिए अधिकांश भक्तिपूर्ण समय की योजनाएँ या सत्र क्यों समाप्त हो जाते हैं?
5. आपके लिए कौन सी भक्तिपूर्ण समय की योजना सहायक होगी? क्या प्रतिदिन बाइबल की किसी पुस्तक का एक अध्याय पढ़ना? सामूहिक रूप से ऐसा करना? (बहुत बार हम एक अच्छी योजना बनाते हैं जो अधिक समय तक नहीं चलती। याद रखिए कि लक्ष्य आपके पिता के साथ संबंध और घनिष्ठता है।)
6. दिन का कौन सा समय आपके लिए भक्तिपूर्ण समय बिताने हेतु सबसे अच्छा होगा?
7. पढ़ें भजन 119:9-16, 103। यदि आपके भक्तिमय समय का लक्ष्य अपने स्वर्गीय पिता के साथ एक गहरा संबंध बनाना है, तो आप इस समय से क्या अनुभव करने की आशा करते हैं, जिसकी पिछले भक्तिमय समयों में कमी रही होगी, जब यह एक काम या बोझ की तरह था?
8. ईश्वर के साथ भक्तिमय समय बिताने के प्रस्तावित नमूने में, हम ACTS नमूने का पालन करते हैं — प्रशंसा (A), अंगीकरण (C), धन्यवाद (T), और प्रार्थना (S)।

a. यह अनुच्छेद मुझे किस प्रकार परमेश्वर की आराधना करने, तथा परमेश्वर के प्रति आश्चर्य में पड़ने के लिए प्रेरित करता है?

b. यह अनुच्छेद मेरी पापमयता को कैसे प्रकट करता है?

c. यह अनुच्छेद मुझे यीशु के प्रति कैसे आभारी बनाता है (उद्घाटन, निरंतरता, और पूर्णता)?

d. यह अनुच्छेद किस प्रकार मुझे प्रेरित करता है कि मैं अपने भीतर और मेरे द्वारा पवित्र आत्मा का कार्य होने के लिए प्रार्थना करूँ?

9. प्रत्येक दिन आपके भक्तिमय समय से उस बात को साझा करने का क्या महत्व है जिसने आप पर सबसे अधिक प्रभाव डाला है?

कार्य करने की बुलाहट :

1. बाइबल की एक पुस्तक को चुनें जिसे आप अपने व्यक्तिगत भक्तिमय समय के लिए पढ़ना चाहेंगे। अगले 2 सप्ताह उपरोक्त प्रारूप का पालन करते हुए एक अध्याय या पुस्तक की लंबाई के आधार पर अध्यायों के कुछ भागों को पढ़ने में बिताएँ।
2. इस प्रारूप का पालन करते हुए अपना व्यक्तिगत भक्तिमय समय व्यतीत करते समय अपने एक या दो मित्रों को अपने साथ शामिल होने के लिए आमंत्रित करें। अंत में, एक दूसरे को बताएँ कि आज के अध्याय से परमेश्वर ने आप पर सबसे अधिक कैसे प्रभाव डाला।
3. अपने प्रशिक्षक से मिलें और बताएँ कि परमेश्वर ने इस समय का प्रयोग कैसे किया। क्या यह अच्छा गया? क्यों और क्यों नहीं? क्या आपने पिछले व्यक्तिगत भक्तिमय समयों या योजनाओं से किसी प्रकार का अंतर महसूस किया?

बैज मानदंड :

इस बैज को थर्डमिल इंस्टीटचूट द्वारा बाइबल-आधारित अध्ययनों के सर्टिफिकेट के एक भाग के रूप में छात्र को तब दिया जाएगा जब वह ***कार्य करने की बुलाहट*** को इस रीति से सफलतापूर्वक पूरा कर लेगा, जो ***बैज घटकों*** के साथ ईमानदारी से मिलता हो और पूरे पाठचक्रम में चर्चा ***किए गए विषयों*** के अनुसार हो।

उदहारण :

तिथि_____ **अनुच्छेद**_____

1. प्रार्थना के द्वारा **समर्पण**

_____

_____

_____

2. पवित्रशास्त्र की बातों को **सुनिए**

3. अपनी कलम के द्वारा **प्रार्थना करें**

प्रशंसा पिता के गुणों और कार्यों के लिए उसकी प्रशंसा करें	**अंगीकरण** अपनी पापमयता को स्वीकार करें और अपने पापों को अंगीकार करें
धन्यवाद यीशु को (अतीत, वर्तमान, भविष्य) के उसके उद्धार के लिए धन्यवाद दें	**प्रार्थना** आत्मा से प्रार्थना करें कि वह आपको विशेष तरीकों से परिवर्तित करे

4. सुसमाचार के समुदाय के लिए **तैयारी करें**

आज के अनुच्छेद के द्वारा परमेश्वर ने आप पर सबसे अधिक क्या प्रभाव डाला है?

_____

_____